सच्ची उपासना करने का फैसला कीजिए (भाग 2)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 16 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

सच्चे मसीही जो मानते हैं उस बारे में क्या उन्हें दूसरों को बताना चाहिए?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग क्यों शायद 'हाँ' कहेंगे?

कुछ लोग क्यों शायद 'नहीं' कहेंगे?

आप क्या मानते हैं?

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

सच्चे मसीही दूसरों से धर्म की शिक्षाओं पर बहस करने से दूर रहते हैं।
(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 16 के पैराग्राफ 13-17 देखें।)

कुलुस्सियों 4:6 पढ़िए।
यह आयत कैसे दिखाती है कि हम जो मानते हैं उस बारे में बताते वक्त हमें प्यार और आदर से बात करनी चाहिए?

मत्ती 7:12 पढ़िए।
भले ही दूसरे हमारी शिक्षाओं से सहमत न हों, फिर भी हमें क्यों उनका आदर करना चाहिए?

खेलते समय आप हौले से गेंद फेंकते हैं ताकि सामनेवाला उसे पकड़ सके। उसी तरह, हम जो मानते हैं उस बारे में बताते वक्त हमें प्यार और अदब से बात करनी चाहिए ताकि दूसरे हमारी बात समझ सकें

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

सच्चे मसीही एक-साथ इकट्ठा होते हैं और यह सीखते हैं कि अपनी शिक्षाओं के बारे में दिलचस्पी दिखानेवाले लोगों को कैसे बताएँ।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 16 के पैराग्राफ 18-19 देखें।)

भजन 22:22; रोमियों 1:12 और इब्रानियों 10:24, 25 पढ़िए।

जब हम सभाओं में जाते हैं और दूसरे मसीहियों के साथ मिलकर उपासना करते हैं तो इससे हमें क्या फायदे होते हैं?

मलाकी 3:10 पढ़िए।

अगर हम सच्ची उपासना करने का फैसला करें तो इसका क्या नतीजा होगा?

आप जो मानते हैं उस बारे में ***आप*** किन्हें बता सकते हैं? आप कैसे आदर के साथ अपनी शिक्षाओं के बारे में उन्हें बता सकते हैं?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

यहोवा के साक्षी हमेशा अपनी शिक्षाएँ दूसरों पर थोपने की कोशिश करते हैं।

आप कह सकते हैं . . .

हम आपको यकीन दिलाना चाहते हैं कि हम अपनी शिक्षाएँ सिर्फ उन लोगों को *बताते हैं* जो इस बारे में जानना चाहते हैं। हम कभी *ज़बरदस्ती* लोगों का धर्म नहीं बदलते क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

एक व्यक्ति कौन-सा धर्म मानेगा यह उसका निजी मामला है। इस बारे में दूसरों से बात नहीं की जानी चाहिए।

आप कह सकते हैं . . .

ज़्यादातर लोगों का यही मानना है। मगर पवित्र शास्त्र असल में बढ़ावा देता है कि हम जो मानते हैं उस बारे में चर्चा करनी चाहिए क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania